عربی گرامر برائے قرآن ہمی

| - | نام طالب علم : |
|---|----------------|
| - | پية وفون نمبر: |
| - | |
| - | |
| - | نام مدرس: |
| | مقام: |

انجمن خد ام القرآن سنده کراچی قرآن اکیڈی 'خیلانِ داحت ' درخشاں ' فیز6 ڈیفس' کراچی نون: 23 - 5340022 فیکس :5840009

E-mail: karachi@quranacademy.com

www.quranacademy.com

| نام كتاب | عربي گرامر برائے قرآن جھی |
|--------------------------|--------------------------------|
| طبع ا قال و دوم | 2000 |
| طبع دوم (اكتوبر 2004ء) - | 1000 |
| زيراهتمام | انجمن خّدام القرآن سنده، كراجي |
| قيت | 2/1/2 |

کراچی میں لائبریریز اور مکتبہ جات کے پتے

1- قرآن اکیڈی ' خیابان راحت' درخثال ' فیز 6 ' ڈیفنس۔ فون: 5340022-23 ای میل: karachi@quranacademy.com

2- 11- داوُد منزلُ زوفريسكوسوئيثُ آرام باغ ـ نون :2620496 - 2216586

3- حق اسكوائز عقب اشفاق ميموريل ميتال بلاك 13-C كلشن ا قبال فون :4993464-65

4 - دوسرى منزل، حق چيمبر، بالمقابل بهم الله تقى مبيتال، كراچى ايد منسريش سوسائل فون: 4382640

5 - قرآ ن مركز ، زومجرطيبه بيكثر 35/A، زمان تا وَن ، كورنگى نبر 4 فون: 5078600

6- فليك بر2، محدى منزل بلاك" K"، نارته ناظم آباد- فون: 6674474

7- C-113 -7 مادام ايار مُنتس ،شاهراه فيصل مزد چهوتا كيث ائير يورث فن : 4591442

8- قرآن اكيرى يلين آباد ، فيررل في ايريا بلاك 9- فون: 6337361

9- متصل محرى آنوز، اسلام چوك، سيكر 1112 ، اورنگى تاؤن ـ نون: 66901440

10- رضوان سوسائن بس اساب، يونيورش رود ون ون: 8143055

11- مكان نبر 861 ببيكر 37/D ، لاندهي نبر 2 مز درضوان سوئيس-

فهرست

| برغار | عنوانات | صفينم | | | |
|-------------------------------------|--|-------|--|--|--|
| حصدالف "قواعد") (Section A "Rules") | | | | | |
| 1 | کلمد کی اقسام / اسم کی حالت / اسم کی اقسام | 1 | | | |
| 2 | معرب اسم کی گروان | 2 | | | |
| 3 | غیر منصرف اساء کی گر دان | 3 | | | |
| 4 | مینی اسا می گردان / اسم نکره، اسم معرفه | 3 | | | |
| 5 | اسائے اشارہ (اشار کریب + اشار کھید) | 4 | | | |
| 6 | ضارً (موفوعة + مجرورة) | 5 | | | |
| 7 | ظرف | 6 | | | |
| 8 | اسائے استفیمام | 6 | | | |
| 9 | حروف جار | 7 | | | |
| 10 | حروف عطف / حروف استفيام / حروف مشبّه بالفعل | 8 | | | |
| 11 | مرغبات | 9 | | | |
| 12 | مادّه / وزن | 10 | | | |
| 13 | فعل ماضی معروف | 11 | | | |
| 14 | فعل مضارع معروف | 12 | | | |
| 15 | بعر حاضر - نعلِ نبی | 13 | | | |
| 16 | بواب علاقی مجرد وهملاقی مزید فید | 14 | | | |
| 17 | پا پِ افعال | 15 | | | |
| 18 | پا <u>ب</u> تفعیل | 16 | | | |
| 19 | پا پِ مفاعلة | 17 | | | |
| 20 | بابِ تفعّل | 18 | | | |
| _21 | پا پِ تفا عل | 19 | | | |
| 22 | با بِ الحتمال | 20 | | | |
| 23 | پاپِ انفعال | 21 | | | |
| 24 | پا بِ استفعال ا | 22 | | | |
| 25 | ابواب كى بيجان كے لئے چنرتكات/امائے سعد مكبوہ | 23 | | | |
| 26 | عملاقی مزید کے اقعال ِ امر میا افغہ کے چنداوزان | 24 | | | |
| 27 | مبالغد کے چنداوزان | 24 | | | |

| صفينيم | عنوا نات | رخار |
|--------|--|------|
| 24 | جمع مكسر كے اوز ان | 28 |
| 25 | مضارع منصوب | 29 |
| 26 | مضارع بحر وم | 30 |
| 27 | انعالینا قصد / اعراب | 31 |
| 28 | اسم الفاعل | 32 |
| 29 | الم المفعول/ الم الظرف | - 33 |
| 30 | حرد ف علمت اغير سيح انعال | 34 |
| | حصرب "قواعد كاطلاق" ("Section B "Application of Rules") | |
| 31 | سورة الحجوات | 35 |
| 34 | سورة الحديد | 36 |
| 40 | سورة الصف | 37 |
| 43 | سورة الجمعة | 38 |
| 45 | سورة المنافقون | 39 |
| 47 | سورة التغابن | 40 |
| 49 | سورة التحريم | 41 |
| 52 | سورة القيامة | 42 |
| 54 | سورة الفاتحة | 43 |
| 54 | سورة الفيل | 44 |
| 55 | سورة قريش | 45 |
| 55 | سورة الماعون | 46 |
| 56 | سورة المكوثر | 47 |
| 56 | سورة المكافرون | 48 |
| 56 | سورة النصو | 49 |
| 57 | سورة اللهب | 50 |
| 57 | سورة الاخلاص | 51 |
| 57 | سورة المفلق | 52 |
| 58 | سورة النَّاس | 53 |
| 59 | ضيمه "صحيح غيرسالم اورمعتل افعال بين تغيرات حق اعد كاخلاصه" (Appendix) | 54 |

كلمه (بالمعنى لفظ) كى اقسام ترف NOUN PARTICLE **VERB** الیاکلہ جوکسی شخص، چیز، جگہ، الیاکلہ جس ہے کسی کام کا اللہ اللہ جس کے اپنے معنی كام كانام يا صفت ظاہر كرے۔ كرنا ظاہر ہو اور اس ميں كوئى واضح نہوں جب تك كہوہ كى حامد، كتاب، مكنه، الجِها، زمانه بهي بإيا جائے فعل كهلاتا اسم يفعل كساتھ ندآئے۔ ے، ی طرف (گھے مجدی طرف) كُتُبُ أَس فِي لَكُما (كام كانام = معدر) حروف عطف Conjunction قَرَءَ أَس فيرها حروف جار Preposition قَوَءٌ يرُّهنا ذهب وه كيا الرونب غرا Interjection اِنْوَالٌ تازل كنا يَعُلَمُ وه جانتا ہے یا جانے گا حروف استفہام Interogative

(Noun) اسم كى حالت : 3. اضافي حالت 2. مفعولی حالت 1. فاعلى حالت (حالت رفع) (حالت جر) (حالت نصب) (Objective Case) (Nominative Case) (Possessive Case) اسم کی اقسام:

معرب اسم کی گروان معرب اسم کی گروان معرب (عام) Common Noun

| جو | نصب | رفع | | |
|----------------|----------------|---------------|-------|------|
| مُسُلِم | مُسُلِمًا | مُسْلِمٌ | واحد | |
| مُسُلِمَيُنِ | مُسُلِمَيُنِ | مُسْلِمَانِ | مثنيه | Si |
| مُسُلِمِيُنَ* | مُسُلِمِيُنَ* | مُسْلِمُوْنَ* | ₹. | |
| مُسُلِمَةٍ | مُسُلِمَةً | مُسُلِمَةٌ | واحد | |
| مُسُلِمَتَيُنِ | مُسُلِمَتُيْنِ | مُسُلِمَتَانِ | شنيه | مؤنث |
| مُسُلِمَاتٍ** | مُسُلِمَاتٍ ** | مُسُلِمَاتٌ** | 22. | |

Proper Noun (کان) معرفه

| جو | نصب | رفع | | |
|------------------|-------------------|-----------------|-------|------|
| ٱلْمُسُلِمِ | ٱلْمُسُلِمَ | ٱلْمُسُلِمُ | واحد | |
| ٱلۡمُسُلِمَيُنِ | ٱلۡمُسۡلِمَيۡنِ | ٱلمُسُلِمَانِ | مثنيه | Si |
| ٱلْمُسُلِمِيْنَ | ٱلمُسُلِمِيْنَ | ٱلۡمُسُلِمُوۡنَ | ₹. | |
| ٱلْمُسْلِمَةِ | ٱلْمُسُلِمَة | ٱلْمُسْلِمَةُ | واحد | |
| ٱلمُسُلِمَتَيُنِ | ٱلۡمُسُلِمَتَيُنِ | ٱلمُسُلِمَتَانِ | مثنيه | مؤنث |
| اَلُمُسُلِمَاتِ | ٱلُّمُسُلِمَاتِ | ٱلْمُسْلِمَاتُ | يخ. | |

نوط: زېر،زېر،پيش کوحرکات جبکه حالت رفع ،نصب ،جر کواعراب کېتے ہیں۔

چندغير منصرف اساء کی گردان

| جو | نصب | رفع | |
|---------------|---------------|---------------|---|
| اِبُرَاهِيُمَ | اِبُرَاهِيُمَ | اِبُرَاهِيُهُ | 1 |
| مَرْيَمَ | مَرْيَمَ | مَرْيَمُ | 2 |
| مَكَّة | مَكَة | مَكَّةُ | 3 |
| مَسَاجِدَ | مَسَاجِدَ | مُسَاجِدُ * | 4 |
| ٱلْمَسَاجِدِ | ٱلمُسَاجِدَ | ٱلْمَسَاجِدُ | 5 |

* جع مكسر

چند بنی اساء کی گردان

| جو | نصب | رفع | |
|----------|----------|-----------|---|
| مُوُسْي | مُوُسْى | مُوْسَى | 1 |
| عِيُسٰي | عِيْسٰي | عِيْسٰي | 2 |
| ٱلَّذِيُ | ٱلَّذِيُ | اَلَّذِيُ | 3 |
| هٔدُی | هٔدًی | هٔدًی | 4 |
| هُمُ | هُمْ | هُمُ | 5 |
| هذا | هٰذَا | هٰذَا | 6 |

اسم مكره: اسم ذات ، اسم صفت

اسم عرفه: اسمعكم، معرّف باللام، اسم اشاره، اسم عمير، اسم موصول، اسم استفهام وغيره

(Demonstrative Nouns) っぱんし

اشارة قريب

| | | رفع | نفب | Z | 2.7 |
|------|-------|-----------|-----------|-----------|-------------|
| | واحد | هٰذَا | هذا | هٰذَا | بيائك مرد |
| Si | مثنيه | هذان | هٰۮؘيُنِ | هٰۮۘؽؙڹ | הנפתנ |
| | z.e. | هوُلاءِ | هؤلاءِ | هؤلاءِ | بيسبرد |
| | واحد | هٰذِه | هٰذِهٖ | هٰذِهٖ | بيايك عورت |
| مؤثث | يثنيه | هَاتَانِ | هَاتَيُنِ | هَاتَيُنِ | په دوغورتين |
| | 27. | هُوُّلاءِ | هؤلاءِ | هؤلاء | بيسبعورتين |

اشارهٔ بعید

| | | رفع | نصب | 2. | 2.7 |
|------|-------|---------|----------|----------|-------------|
| | واحد | ذلِکَ | ۮڵؚػ | ذٰلِکَ | وهایک مرد |
| Si | مثنيه | ڏنِکَ | ذَيْنِکَ | ذَيُنِکَ | פהנפתנ |
| | ₹. | أولثِكَ | أولئِكَ | أولئِكَ | وهسبمرد |
| | واحد | تِلُکَ | تِلْکَ | تِلُکَ | وهايك عورت |
| مؤنث | حثنيه | تَانِکَ | تَيُنِکَ | تَيْنِکَ | وه دوغورتين |
| | ₹. | أولئِكَ | أولئِكَ | أولئِكَ | وهسب عورتين |

ضارٌ (Pronouns) ضارٌم نوعد امتفصلہ

| | | 1 | | |
|----------|--------|-------|-----------|----------------------|
| ₹. | مثنيه | واحد | | |
| هُمُ | هُمَا | هُوَ | Si | غائب |
| هُنَّ | هُمَا | هِيَ | مؤثث | (Third Person) |
| اَنْتُمْ | أنتما | ٱنْتَ | Si | حاضر |
| ٱنْتَنَّ | أنتما | ٱنْتِ | مؤنث | (Second Person) |
| نَحُنُ | نُحُنُ | اَنا | نذكر/مؤنث | شکلم (1st Person) |

ضارمنصوبه امجروره امتصله

| E . | شنيه | واحد | | |
|------------|--------|------|-----------|----------------------|
| هُمُ | هُِمَا | 0 6 | Si | غائب |
| هؙِنَّ | هُمَا | هَا | مؤنث | (Third Person) |
| حُمْ | كُمَا | ک | Si | حاضر |
| ڪُنَّ | كُمَا | کِ | مؤنث | (Second Person) |
| Ú | ú | ي | مذكر/مؤنث | شکلم (1st Person) |

ظرف (Nouns describing time & position)

| پاس | عِنْدَ | بعد | بَعْدَ | 25. | خَلُفَ | أوي | فَوُقَ |
|-----|--------|--------|--------|-----|--------|-----|--------|
| | | ورميان | | | | | |
| | | | | | قَبُلَ | | |

اسائے استفیام (Interogative Pronouns)

| How much التا | کُمُ | What L | مَا.مَاذَا |
|------------------|--------|-------------|------------|
| Where کہاں | اَيُنَ | Who کون | مَنْ |
| کہاں ہے۔ سطرح سے | ٱنْی | How کیما | كَيْفَ |
| From where | n. | When — | مَتٰى |
| Which کوشی | ٱيَّةً | Which كونسا | ٱؿٞ |

| کس چز ہے | مِمَّا (مِنْ +مَا) | كس لئے۔ كيوں | لِمَا لِمَادُا |
|---------------------|----------------------|--------------|----------------|
| س چيز کي نسبت ہے | عَمَّا(عَنُ+مَا) | کس چیز میں | فِيُمَا |
| کس شخص ہے | مِمَّنُ (مِنُ +مَنُ) | 15 m | لِمَنْ |
| كهال كواكهال كي طرف | اِلِّي أَيْنَ | کباں ہے | مِنُ أَيْنَ |
| کتنے میں | بِگهٔ | کب تک | اِلِّي مَتْي |

(Conjunctional Nouns) اسماعے موصولہ

| معنی | 27. | بثثنيه | واحد | |
|------|-----------------|-----------|----------|------|
| 29. | ٱلَّذِيُنَ | ٱلَّذَانِ | ٱلَّذِيُ | Si |
| چوکہ | ٱلْتِيُ/ٱلْئِيُ | ٱلَّتَان | ٱلَّتِي | مؤنث |

نوت : مَنُ (جو) اور مَا (جو) بھی اسائے موصولہ میں شامل ہیں۔

(Particles) ジア

(Prepositions) روف جار

بَــاؤ تَــاؤ كَــافـو لَامـو وَاؤ مُنــُدُ مُـدُ خَلا رُبُّ حَاشًا مِنْ عَدَا فِي عَنْ عَلَى حَثْى اللّٰي

(۱) حرف جارجب كى اسم سے يہلے آتا ہے تو وہ اسم حالت جريس آتا ہے۔

(٢) وف جار + اسم (مجرور) = مركب جارى

| ژوف جار | معنی | مثال | | |
|-----------|-----------------------|---------------------------|---|------------------------|
| بِ | ہے - ساتھ | بِالْبَاطِلِ | - | باطل کے ساتھ |
| ت | فتم | تَاللَّهِ تَاللَّهِ | _ | الله كي قشم |
| ک | مانند - جيبا | كَشُجَرٍ · | _ | درخت کی مانند |
| ڵؚ | 2 - 2 5 | لِلْهِ | - | الله کے لئے |
| وَ | فتم | وَالْعَصْرِ | - | فشم ہےز مانے کی |
| مِنُ | _ | مِنَ الْمَسْجِدِ | - | مجدے |
| فِیُ | مين ا | فِي الْبَيْتِ | - | گھر میں |
| عَنْ | ک طرف ہے۔ کے بارے میں | عَنُ عَلِيٍّ | - | حضرت علیٰ ہے (روایت ہے |
| عُلٰی | 4 | عَلَى اللَّهِ | - | اللدي |
| ۔ حُتی | يهال تك كه | حَتَّى مَطُلَعِ الْفَجُوِ | - | فجر کے طلوع ہونے تک |
| الني | تک - کاطرف | إِلَى السَّمَاءِ | - | آ سان تک |

| | (COI | ijuricuo | عطف (ns | اروب | |
|-------|------|----------|-------------|------|-----|
| پس/نة | ف | ŗ | أَوْ / أَمْ | اور | وَ |
| (| 3,4 | 0 | | 1 | z 2 |

(Interogatives) روف استفهام

| كيا | í |
|-----|------|
| کیا | هَلُ |

نوٹ : حروف استفہام ایسے سوال کے لئے استعال ہوتے ہیں جس کا جواب ہاں یانہیں میں ممکن ہو۔

حروف مُشَبَّه بالفعل

(فعل سے مشابہت رکھنے والے وف (Particles resembling verbs)

| بے ٹک | اِنَّ | 1 |
|------------|---------|---|
| بے شک / کہ | ٱنَّ | 2 |
| گویا که | كَانَّ | 3 |
| لنيكن | لكِنَّ | 4 |
| کاش کہ | لیُتَ | 5 |
| شاید/تاکه | لَعَلَّ | 6 |

میر وف این اسم کونصب دیتے ہیں۔ إِنَّ زَیُدًا صَالِحٌ یقیناً زید نیک ہے۔ میر وف کسی بھی فعل سے قبل متعلقه تمیر کے ساتھ آتے ہیں۔ إِنَّهُ يَقُولُ یقیعًا وہ کہتا ہے۔

(Compounds) حركبات

دویا دو سےزیا دہ اساء کے مجموعہ کومرکب کہتے ہیں۔

ایک مرکب میں موجودالفاظ کے آپس میں تعلق کور کیب کہتے ہیں۔

| بات ادھوری رہتی ہے۔ | (الف) مركب ناتس |
|---|--|
| نَخُولٌ وَّرُمَّانٌا يك مجوراورايك انار | 1 مركب عطفى : اسم + حرف عطف + اسم |
| كِتَابٌ مُّبِينٌايك واضح كتاب | 2 مركب توصفي : موصوف + صفت |
| نَصُو اللَّهِالله كي مدو | 3 مركب اضافى : مضاف+مضاف اليه |
| مِنَ الْمُسْجِدِمجدت | 4 مركب جارى : حرف جار + مجرور |
| هذا البلد البلد البيشر | 5 مركب اشارى : اسم اشاره + مشار اليه |
| بات ممل ہوجاتی ہے۔ | (ب) مركبتام / جمله |
| ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلاً بيان كى الله ف | 1 جمله فعليه : فعل + فاعل + مفعول و جمله جوفعل سے شروع ہو۔ |
| ايكمثال | |
| اَللَّهُ لَطِينُفٌ الله باريك بين ب | 2 جملهاسميه : مبتداء + خبر |
| * | وه جمله جواسم ےشروع ہو۔ |
| إِنَّ الْإِنْسَانَ لَفِي خُسُرٍ يَقْيِنًا السَانِ وأَقَعَى | i جملهاسمية تأكيديه: |
| خسارے میں ہے | |
| مَا هٰذَا بَشُوًا بِيكُونَى انسانَ بِين ہے | ii جملهاسميه نافيه : |
| مَا اللَّهُ بِغَافِلِ اللَّهِ عَافِلِ اللَّهِ عَافِلَ اللَّهِ عَافِلَ اللَّهِ عَافِلَ اللَّهِ عَافِلَ | جمله کے شروع میں مَا یا کَیْسَ لگادیتے ہیں |
| اَ لَيْسَ اللَّهُ بِقَادِرٍ كَيَا اللَّهُ قَدْرت ركِفَ والا نهد | اورخبر کوحالت نصب میں لے آتے ہیں |
| مہیں ہے | یاخبرکوب کے ساتھ حالت جرمیں لے آتے ہیں |

وزن (Root word / Pattern)

عربی زبان میں 95 فیصد الفاظ ایسے ہیں جن کا ایک تمین حرفی مادہ ہوتا ہے جیسے بحتاب کامادہ ہے کہ ت ب۔ ہرلفظ کے مادہ کا ف عل سے موازند کیاجا تا ہے جیسے ک ت ب میں (1) فاکلمہ ہے ''ک'' ، (2) میں کلمہ ہے ''ت' اور (3) لام کلمہ ہے ''ب''

| | ان | اوز | | | |
|------------|-----------|---------|--------|------|---|
| تَفْعِيُلٌ | اِفْعَالُ | فعِلا | فَعِلَ | ماده | |
| تُعُلِيُمٌ | اِعُلامٌ | عَلِمَا | عَلِمَ | علم | 1 |
| تَقُدِيُمٌ | اِقُدَامٌ | قَدِمَا | قَدِمَ | قدم | 2 |
| تُنْكِيُرٌ | اِنگارٌ | نَكِرَا | نَكِرَ | ن کر | 3 |

| | ان | اوز | | | |
|-----------|---------|-----------|--------|------|---|
| مَفْعُولٌ | فَاعِلٌ | فَعَلُوُا | فَعَلَ | باده | |
| مَقُتُولٌ | قَاتِلٌ | قَتَلُوُا | قَتَلَ | قتل | 1 |
| مَكْتُوبٌ | كَاتِبٌ | كَتُبُوُا | كَتُبَ | کتب | 2 |
| مَشُكُورٌ | شَاكِرٌ | شَكَرُوًا | شَگرَ | شكر | 3 |

| عُلَ يُفَاءِ | ماره فاءَ |
|--------------|-----------|
| هَدَ يُجَا | 1 جود جا |
| دُلُ يُجَا | 2 حول جَا |
| فَعَ يُدَا | 3 رفع ١٤ |

فعل ماضي معروف

1 – فَعَلَ جِمِي قَوْءَ ، 2 – فَعِلَ جِمِي شَرِبَ ، 3 – فَعْلَ جِمِي قَوْبَ اوزان: گردان:

| | | واحد | مثني | ₹. |
|-------|-----------|----------|-------------|-------------|
| *** | Si | فَعَلَ | فَعَلاَ | فَعَلُوُ١ |
| عائب | مؤنث | فَعَلَتُ | فَعَلَتَا | فَعَلْنَ |
| حاضر | Si | فَعَلْتَ | فَعَلْتُمَا | فَعَلْتُمُ |
| | مۇنث | فَعَلْتِ | فَعَلْتُمَا | فَعَلْتُنَّ |
| متكلم | ندكرامؤنث | فَعَلْثُ | فَعَلْناً | فَعَلْنَا |

فعل ماضي مجهول كاوزن : فُعِلَ جِسِ ضُرِبَ

اگرنعلِ ماضی کے پہلے صیفہ میں صرف مادہ کے حروف ہوں آؤا سے مجرد کہتے ہیں اورا گرکوئی اضافی حرف ہوؤا سے مزید کہتے ہیں جیسے:

وهنازل موا ملائی مجرد

نَزُلَ

أس نے نازل كيا علاقي مزيد

ٱنْزُلَ

فعل مضارع معروف (حال اورستقبل)

اوزان : 1- يَفْعَلُ جِي يَفْتَحُ ، 2- يَفْعِلُ جِي يَضُرِبُ ، 3- يَفْعُلُ جِي يَكُرُمُ

گردان :

| | واحد | مثنيه | حح. |
|-----------|--------------|---|--|
| Si | يَفْعَلُ | يَفْعَلاَ نِ | يَفُعَلُوْنَ |
| مؤنث | تَفْعَلُ | تَفْعَلاَ نِ | يَفْعَلْنَ |
| نذكر | تَفْعَلُ | تَفْعَلاَ نِ | تَفْعَلُوْنَ |
| مؤنث | تَفْعَلِيْنَ | تَفْعَلاَ نِ | تَفْعَلُنَ |
| ندکرامؤنث | ٱفۡعَلُ | نَفْعَلُ | نَفُعَلُ |
| | مؤنث | رُكِ يَفْعَلُ مُونِث تَفْعَلُ لَكُونِث تَفْعَلُ لَكُونِث تَفْعَلُ مُونِث تَفْعَلُ مُونِث تَفْعَلُ مُونِث تَفْعَلُ مُونِث تَفْعَلُ مُونِث تَفْعَلُ مُونِث مُؤنِث مُونِث مُؤنِث مُونِث مُونِ مُونِث مُونِ مُونِث مُونِث مُونِ مُونِث مُونِ مُونِث مُونِث مُونِث مُونِ مُونِث مُونِ مُون | دَكِ يَفْعَلُ يَفْعَلاَنِ يَفْعَلاَنِ تَفْعَلاَنِ تَفْعَلاَنِ تَفْعَلاَنِ تَفْعَلاَنِ تَفْعَلاَنِ تَفْعَلاً نِ |

فعل مضارع مجهول کاوزن: یُفُعَلُ جیسے یُضُوبُ عربی میں انتہائی تاکیدی اسلوب: لَیَفُعَلَنَّ وہ ضرور کرے گا لَیَفُعَلُنَّ وہ ضرور کریے گے نوٹ: ی تان (یتان) کوعلامات مضارع کہا جاتا ہے۔

امرحاضر

فعل امر' مضارع حاضر کے چھینغوں سے بنتا ہے۔ قواعد: فعل امر بنانے کاطریقتہ:

(۱) علامت مضارع (ت) بنادیں۔ (۲) شروع میں " بهنره" لگادیں۔

(٣) اگريين كلے پر پيش ہے قوہمزہ پر بھی پیش لگادیں۔ (٣) اگريين كلے پر زيريازيہ ہے ہمزہ پر زير لگاديں كے

(۵) بہلے صیغہ میں لام کلے کوساکن کردیں اور سوائے آخری صیغہ کے بقیصیغوں سے ان گرادیں۔

| | واحد | جثنيه | <i>ਦ</i> . |
|------|----------|---------|------------|
| 5. | اِصْبِرُ | إصبرًا | إصْبِرُوْا |
| يۇنث | اصُبريُ | اصُبرًا | إصُبرُنَ |

فعل نہی

فعل نہی، مضارع حاضر کے چھینغوں سے بنرآ ہے۔ قواعد بفعل نہی بنانے کاطریقہ:

- (۱) مضارع كي شروع بين " لا " لكادين اعلائ في كيتي بين -
- (۲) بہلے صیغہ میں لام کلے کوساکن کردیں اورسوائے اخری صیغہ کے بقیمینوں سے ان گرادیں۔

| 27. | مثنيه | واحد | |
|------------------|----------------|----------------|------|
| كَلا تُصْبِرُوُا | كَلا تُصْبِرَا | لَا تُصْبِرُ | Si |
| لَا تُصْبِرُنَ | لا تُصْبِرًا | لَا تُصْبِرِيُ | مؤنث |

نوٹ : انکاریہ جلے کے لئے فعلِ مضارع کے شروع میں '' لا ''(لائے نفی)لگاتے ہیں۔اس سے فعلِ مضارع پر کوئی انٹر نہیں پڑتا۔ جیسے: کلا تَصْبِرُ (توصر نہیں کرتا ہے)

ابوابِ ثلاثی مجرد

| مصدر (باب) | مضارع | ماضى |
|------------|----------|--------|
| فَتُحُ (ف) | يَفْتَحُ | فَتَحَ |
| ضَرُبٌ (ض) | يَضُرِبُ | ضَرَبَ |
| نَصْرٌ (ن) | يَنُصُرُ | نَصَرَ |
| سَمْعٌ (س) | يَسْمَعُ | سَمِعَ |
| حَسُبٌ (ح) | يَحْسِبُ | حَسِبَ |
| گُرُمٌ (ك) | يَكُرُمُ | كُوُمَ |

ابوابِ ثلاثی مزید فیه

| مصدر (باب) | مضارع | ماضى |
|----------------------|--------------|---------------|
| إفْعَالاً | يُفْعِلُ | اَفُعَلَ ا |
| تَفْعِيُلاً | يُفَعِّلُ | فَعَّلَ |
| مُفَاعَلَةً | يُفَاعِلُ | فَاعَلَ |
| تَفَعُّلاً | يَتَفَعَّلُ | تَفَعَّلَ |
| تَفَاعُلاً | يَتَفَاعَلُ | نَفَاعَلَ |
| إِفْتِعَالاً عَالَاً | يَفْتَعِلُ | إفْتَعَلَ |
| اِنْفِعَالاً | يَنْفَعِلُ | إِنْفَعَلَ |
| إِسْتِفْعَالاً | يَسْتَفُعِلُ | إسْتَفْعَلَ |

با بِ افعال ماضی معروف کی گردان

| | | واحد | شثنيه | ₹. |
|------|-----------|------------|--------------|--------------|
| ×(* | 52 | ٱفْعَلَ | ٱفْعَالا | اَفُعَلُوُ ا |
| غائب | مؤنث | ٱفْعَلَتُ | أفُعَلَتا | ٱفْعَلُنَ |
| • | Si | ٱفُعَلُتَ | ٱفُعَلْتُمَا | اَفْعَلْتُمُ |
| حاضر | مؤنث | اَفُعَلُتِ | ٱفْعَلْتُمَا | ٱفُعَلُتُنَّ |
| تكلم | نذكرومؤنث | ٱفُعَلُتُ | ٱفْعَلْنَا | اَفْعَلْنَا |

بابوافعال كے ماضى مجبول كاوزن: أفعِلَ

مضارع معروف کی گر دان

| ₹. | مثنيه | واخد | | |
|--------------|------------|--------------|-----------|-------|
| يُفُعِلُوُنَ | يُفْعِلانِ | يُفْعِلُ | Si | غائب |
| يُفُعِلُنَ | تُفْعِلانِ | تُفْعِلُ | مؤنث | Ų. |
| تُفُعِلُوُنَ | تُفْعِلانِ | تُفْعِلُ | Si | حاضر |
| تُفُعِلُنَ | تُفْعِلانِ | تُفْعِلِيُنَ | مؤنث | 76 |
| نُفُعِلُ | نُفُعِلُ | ٱفُعِلُ | نذكرومؤنث | متكلم |

باب افعال كے مضارع مجبول كاوزن: يُفْعَلُ

با بِ تفعیل ماضی معروف کی گردان

| | | واحد | مثنيه | ₹. |
|-------|-----------|----------|-------------|--------------|
| 2(5 | Si | فَعَّلَ | فَعُلاَ | فَعَّلُوُا |
| غائب | مؤنث | فَعَلَتُ | فَعَلَتَا | فَعَّلُنَ |
| | Si | فَعُلْتَ | فَعَلْتُمَا | فَعَّلُتُمُ |
| حاضر | مؤنث | فَعَلْتِ | فَعَلْتُمَا | فَعَّلُتُنَّ |
| متكلم | نذكرومؤنث | فَعُلْتُ | فَعَّلْنَا | فَعَّلْنَا |

بابِ تفعیل کے ماضی مجبول کا وزن : فُعِلَ

مضارع معروف کی گر دان

| ₹. | شنيه | واحد | | |
|---------------|---------------|---------------|-----------|-------|
| يُفَعِّلُوُنَ | يُفَعِّلاَ نِ | يُفَعِّلُ | Si | 215 |
| يُفَعِّلُنَ | تُفَعِّلاً نِ | تُفَعِّلُ | مؤنث | غائب |
| تُفَعِّلُوُنَ | تُفَعِّلاً نِ | تُفَعِّلُ | Si | • |
| تُفَعِّلُنَ | تُفَعِّلاً نِ | تُفَعِّلِيُنَ | مؤنث | حاضر |
| نُفَعِّلُ | نُفَعِّلُ | ٱفَعِلُ | نذكرومؤنث | متكلم |

باب تفعيل كمضارع مجهول كاوزن: يُفَعَّلُ

یا ہے مفاعلہ ماضی معروف کی گردان

| | | واحد | مثنيه | ₹. |
|-------|-----------|-----------|--------------|--------------|
| غائب | Si | فَاعَلَ | فَاعَلاً | فَاعَلُوُا |
| 7. | مؤنث | فَاعَلَتُ | فَاعَلَتَا | فَاعَلُنَ |
| *** | Si | فَاعَلُتَ | فَاعَلْتُمَا | فَاعَلُتُمُ |
| حاضر | مؤنث | فَاعَلُتِ | فَاعَلْتُمَا | فَاعَلُتُنَّ |
| متكلم | نذكرومؤنث | فَاعَلُتُ | فَاعَلُنَا | فَاعَلُنَا |

بابِ مفاعله ك ماضى مجبول كاوزن : فُوْعِلَ

مضارع معروف كى گردان

| z. . | شنيه | واحد | | |
|-----------------|--------------|---------------|-----------|-------|
| يُفَاعِلُوُنَ | يُفَاعِلاَنِ | يُفَاعِلُ | Si | غائب |
| يُفَاعِلُنَ | تُفَاعِلاَنِ | تُفَاعِلُ | مؤنث | 7. |
| تُفَاعِلُوُنَ | تُفَاعِلاَنِ | تُفَاعِلُ | Si | اط |
| تُفَاعِلُنَ | تُفَاعِلاَنِ | تُفَاعِلِيُنَ | مؤنث | حاضر |
| نُفَاعِلُ | نُفَاعِلُ | أفَاعِلُ | نذكرومؤنث | ختكلم |

بابِمفاعله كے مضارع مجبول كاوزن: يُفاعَلُ

با بِ تَفْعُلُ ماضىمعروف كى گردان

| | | واحد | مثنيه | ₹. |
|-------|-----------|-------------|----------------|----------------|
| غائب | Si | تَفَعَّلَ | تَفَعَّلاً | تَفَعَّلُوُ ا |
| ٠٠ | مؤنث | تفعّلتُ | تَفَعَّلَتَا | تَفَعَّلُنَ |
| • | Si | تَفَعَّلْتَ | تَفَعَّلُتُمَا | تَفَعَّلُتُمُ |
| حاضر | مؤنث | تَفَعَّلْتِ | تَفَعَّلُتُمَا | تَفَعَّلُتُنَّ |
| متكلم | نذكرومؤنث | تَفَعَّلْتُ | تَفَعَّلْنَا | تَفَعَّلُنَا |

بابِ تَفَعُّلُ كَ ماضى مجبول كاوزن: تُفُعِّلَ

مضارع معروف کی گر دان

| | | واحد | مثنيه | ₹. |
|-------|-----------|-----------------|----------------|-----------------|
| غائب | Si | يَتَفَعَّلُ | يَتَفَعَّلاَنِ | يَتَفَعَّلُوُنَ |
| 7 | مؤنث | تُتَفَعَّلُ | تَتَفَعَّلاَنِ | يَتَفَعَّلُنَ |
| ام | Si | تَتَفَعَّلُ | تُتَفَعَّلاَنِ | تَتَفَعَّلُوُنَ |
| حاضر | مؤثث | تَتَفَعَّلِيُنَ | تُتَفَعَّلاَنِ | تَتَفَعَّلُنَ |
| متكلم | نذكرومؤنث | ٱتّفَعّلُ | نَتَفَعَّلُ | نَتَفَعَّلُ |

بابِ تفعّل كمضارع مجهول كاوزن : يُتَفَعّلُ

با بِ نفاعل ماضی معروف کی گردان

| | | واحد | مثنيه | جح. |
|-------|-----------|-------------|----------------|----------------|
| غائب | Si | تَفَاعَلَ | تَفَاعَلاَ | تَفَاعَلُوُا |
| - | مؤنث | تَفَاعَلَتُ | تَفَاعَلَتَا | تَفَاعَلُنَ |
| حاضر | Si | تَفَاعَلُتَ | تَفَاعَلُتُمَا | تَفَاعَلُتُهُ |
| 76 | مؤثث | تَفَاعَلُتِ | تَفَاعَلُتُمَا | تَفَاعَلُتُنَّ |
| متكلم | نذكرومؤنث | تَفَاعَلُتُ | تَفَاعَلُنَا | تَفَاعَلْنَا |

بابِ تَفَاعُلُ كَماضى مجبول كاوزن: تُفُوعِلَ

مضارع معروف کی گر دان

| स्ट. | يثنيه | واحد | | |
|-----------------|----------------|-----------------|-----------|-------|
| يَتَفَاعَلُوْنَ | يَتَفَاعَلاَنِ | يَتَفَاعَلُ | Si | غائب |
| يَتَفَاعَلُنَ | تُتَفَاعَلاَنِ | تَتَفَاعَلُ | مؤنث | 770.5 |
| تُتَفَاعَلُوُنَ | تَتَفَاعَلاَنِ | تَتَفَاعَلُ | Si | حاضر |
| تَتَفَاعَلُنَ | تُتَفَاعَلاَنِ | تَتَفَاعَلِيُنَ | مؤنث | 76 |
| نَتَفَاعَلُ | نَتَفَاعَلُ | اً تَفَاعَلُ | مذكرومؤنث | متكلم |

بابِ تَفَاعُلُ كَمضارع مجبول كاوزن : يُتَفَاعَلُ

با بِ افتعال ماضی معروف کی گردان

| | | واحد | مثنيه | zz. |
|------------|-----------|--------------|-----------------|-----------------|
| غائب | 52 | اِفْتَعَلَ | اِ فُتَعَلاَ | اِفْتَعَلُّوُ ا |
| - • | مؤنث | اِفْتَعَلَتُ | اِ فُتَعَلَتَا | اِفْتَعَلَٰنَ |
| *** | 52 | اِفْتَعَلْتَ | اِفْتَعَلْتُمَا | اِفْتَعَلْتُمُ |
| حاضر | مؤنث | اِفْتَعَلْتِ | اِفْتَعَلْتُمَا | اِفْتَعَلْتُنَّ |
| متكلم | نذكرومؤنث | افْتَعَلْتُ | افْتَعَلْنَا | افْتَعَلْنَا |

بابِ افتعال ك ماضى مجبول كاوزن : أَفْتُعِلَ

مضارع معروف کی گر دان

| ₹. | حثنيه | واحد | | |
|----------------|---------------|----------------|-----------|-------|
| يَفُتَعِلُوُنَ | يَفْتَعِلاَنِ | يَفْتَعِلُ | Si | غائب |
| يَفْتَعِلُنَ | تَفُتَعِلاَنِ | تَفُتَعِلُ | مؤنث | 7 |
| تَفُتَعِلُوُنَ | تَفُتَعِلاَنِ | تَفْتَعِلُ | Si | حاضر |
| تَفُتَعِلُنَ | تَفُتَعِلاَنِ | تَفْتَعِلِيُنَ | مؤنث | |
| نَفُتَعِلُ | نَفْتَعِلُ | ٱفْتَعِلُ | يذكرومؤنث | متكلم |

بابِ افتعال كمضارع مجبول كاوزن : يُفتعَلُ

با بِ انفعال ماضی معروف کی گردان

| | | واحد | مثنيه | ₹. |
|-------|-----------|--------------|-----------------|----------------|
| غائب | Si | اِنْفَعَلَ | إنْفَعَلاَ | اِنُفَعَلُوُ ا |
| | مؤنث | اِنْفَعَلَتُ | إنْفَعَلَتَا | اِنْفَعَلْنَ |
| حاضر | Si | اِنْفَعَلْتَ | اِنْفَعَلْتُمَا | اِنْفَعَلْتُمُ |
| 76 | مؤنث | اِنْفَعَلْتِ | اِنْفَعَلْتُمَا | ٳٮؙؙڡؘٛعؘڶؾؗڹۜ |
| متكلم | نذكرومؤنث | اِنْفَعَلْتُ | اِنُفَعَلْنَا | اِنْفَعَلْنَا |

بابِ انفعال ك ماضى مجهول كاوزن: أَنْفُعِلَ

مضارع معروف كى گردان

| <i>장</i> . | مثنيه | واحد | | |
|----------------|---------------|----------------|-----------|-------|
| يَنْفَعِلُوُنَ | يَنُفَعِلاَنِ | يَنُفَعِلُ | Si | غائب |
| يَنُفَعِلُنَ | تَنْفَعِلاَنِ | تَنْفَعِلُ | مؤنث | Ų. |
| تَنُفَعِلُوُنَ | تَنْفَعِلاَنِ | تَنْفَعِلُ | Si | اط |
| تَنْفَعِلُنَ | تَنْفَعِلاَنِ | تَنْفَعِلِيُنَ | مؤنث | حاضر |
| نَنُفَعِلُ | نَنْفَعِلُ | ٱنْفَعِلُ | نذكرومؤنث | متكلم |

بابِ انفعا ل كمضارع مجبول كاوزن: يُنفَعَلُ

بابِ إستِفعال ماضي معروف كي گردان

| ₹. | مثنيه | واحد | | |
|-------------------|-------------------|----------------|-----------|-------|
| اِسُتَفُعَلُوُ ا | اِسْتَفْعَلاَ | اِسْتَفْعَلَ | Si | غائب |
| إِسْتَفُعَلْنَ | إِسْتَفْعَلَتَا | اِسْتَفْعَلَتُ | مؤنث | Ų. |
| اِسُتَفُعَلْتُمُ | اِسْتَفُعَلْتُمَا | اِسْتَفُعَلْتَ | Si | • |
| اِسُتَفُعَلْتُنَّ | اِسْتُفُعَلْتُمَا | اِسْتَفُعَلْتِ | مؤنث | حاضر |
| اِسُتَفُعَلْنَا | اِسْتَفُعَلْنَا | اِسْتَفْعَلْتُ | نذكرومؤنث | متكلم |

بإب استفعال ك ماضى مجبول كاوزن: أستُفعِلَ

مضارع معروف کی گردان

| zz. | حثنيه | واحد | | |
|------------------|-----------------|------------------|-----------|-------|
| يَسْتَفُعِلُوُنَ | يَسُتَفُعِلاَنِ | يَسْتَفُعِلُ | Si | غائب |
| يَسْتَفُعِلُنَ | تَسْتَفُعِلاَنِ | تَسْتَفُعِلُ | مؤنث | 7.2 |
| تَسْتَفُعِلُوُنَ | تَسْتَفُعِلاَنِ | تُسْتَفُعِلُ | Si | اث |
| تُسْتَفُعِلُنَ | تَسْتَفُعِلاَنِ | تُسْتَفُعِلِيُنَ | مؤنث | حاضر |
| نَسْتَفُعِلُ | نَسْتَفُعِلُ | ٱسۡتَفۡعِلُ | نذكرومؤنث | متكلم |

باب استفعال كمضارع مجبول كاوزن : يُسْتَفْعَلُ

ثلاثی مزید فیہ ابواب کی پہچان کے لئے چند تکات

- 1- تین ابواب میں علامتِ مضارع پر پیش ہوتی ہے۔ بعنی باب افعال ، باب تفعیل اور باب مفاعلہ۔
- 2- مضارع مجهول میں بھی علامتِ مضارع پر پیش ہوتی ہے لیکن اس کے وزن میں کسی حرف پرزیز ہیں آتی ۔
- 3- ہا ہے تفعیل اور ہا ہے تفعل میں ماضی اور مضارع کے صیغوں پر تشدید ہوتی ہے۔ البتہ ہا ہے تفعل میں ماقرہ کے حروف سے پہلے '' ت ''ہوتی ہے۔
- 4- ہا ہبِ مفاعلہ اور ہا ہبِ نفاعل کے ماضی اور مضارع کے صیغوں میں فاکلمہ کے بعد'' لا'' ہوتا ہے۔ البتہ با ہب نفاعل میں مادّہ کے حروف ہے پہلے''ت'ہوتی ہے۔
 - 5- باب انتعال کے ماضی اورمضارع کے صیغوں میں فاکلمہ کے بعد '' میوتی ہے۔
 - ہا ہا انفعال کے ماضی اور مضارع کے صیغوں میں ما ڈ ہ کے حروف سے پہلے''ن' 'جوتا ہے۔
- 7- باب استفعال کے ماضی اور مضارع کے صیغوں میں مادّہ کے حروف سے پہلے ''س' 'اور'' ت' 'ہوتے ہیں۔

اسمائے ستنہ مکبرہ

| 2. | نصب | رنح | |
|--------|-------|-----------|---|
| ٱخِيُ | أخَا | ٱخُوُ | 1 |
| آبِیُ | آبًا | ٱبُّوُ | 2 |
| حَمِيُ | حَمّا | خَمُوُ | 3 |
| فِی | U | فُوُ | 4 |
| هَنِيُ | هَنا | هَنُو | 5 |
| ۮؚؽ | ذا | گۇ | 6 |

ثلاثی مزید کے افعال امر

| فعلِ امر | فعلِ مضارع (واحد تدكر حاضر) | باب |
|------------------|-----------------------------|---------|
| أَفْعِلُ * | تُفْعِلُ | افعال |
| فَعِّلُ ** | تُفَعِّلُ | تفعيل |
| فَاعِلُ ** | تُفَاعِلُ | مفاعله |
| تَفَعَّلُ ** | تُتَفَعَّلُ | تفعل |
| تَفَاعَلُ ** | تُتَفَاعَلُ | تفاعل |
| اِفْتَعِلُ *** | تَفْتَعِلُ | افتعال |
| اِنْفَعِلُ *** | تُنْفَعِلُ | انفعال |
| اِسْتَفُعِلُ *** | تَسْتَفُعِلُ | استفعال |

* بابِ افعال واحد باب ہے جس کے فعل امر میں ہمزہ زیروالالگایا جاتا ہے اور پیملانے کی صورت میں بھی پڑھا جاتا ہے۔ ** ان ابواب میں فعلِ امر بنانے کے لئے ہمزہ لگانے کی ضرورت نہیں پڑتی۔

*** ان ابواب میں فعلی امر بنانے کے لئے ہمزہ زیر والالگایا جاتا ہے اور پیلانے کی صورت میں نہیں بڑھا جاتا۔

مبالغه کے چنداوزان

| 4.25 2.15 | 4 | 4 |
|-------------------|---------------------|----------------------|
| فَعُولٌ (غَفُورٌ) | فَعِيْلُ (رَحِيْمٌ) | فَعُلانٌ (رَحُمَانٌ) |

جمع مكسر كے اوزان

| مثال | وزن | مثال | وزن |
|------------|-----------|--------------|--------------|
| خَزَ ائِنُ | فَعَائِلُ | اَمُوَ الَّ | اَفُعَالٌ |
| مَنَافِعُ | مَفَاعِلُ | رُسُلٌ | فُعُلٌ |
| شُهَدَّاءُ | فُعَلَاءُ | اَوُ لِيَاءُ | أَفْعِ لَاءُ |

مضارع منصوب

| ₹. | شنیه | واحد | | |
|-------------|-----------|------------|---------------------|-------|
| يَفُعَلُوُا | يَفْعَلاَ | يَفْعَلَ | Si | 26 |
| يَفْعَلْنَ | تَفْعَلاَ | تَفْعَلَ | مؤنث | غائب |
| تَفُعَلُوُا | تَفْعَلاَ | تَفُعَلَ | Si | حاضر |
| تَفعَلٰنَ | تَفْعَلا | تَفُعَلِيُ | مؤنث | |
| نَفْعَلَ | نَفْعَلَ | ٱفْعَلَ | ن <i>ذ کرامؤ</i> نث | متكلم |

نواصب مضارع:

مندرجه ذیل الفاظ اگرمضارع سے پہلے تیں تو مضارع کو مصوب کر دیتے ہیں۔

لَنُ : بِرَكَرْنِينِ أَنْ : كه إِذًا : جب

كَى : تاكه (لام كَيْ) خَتْى : يَهَال تك كه لا : تاكه (لام كَيْ)

ف: (ف سببیه) تاکه

مضارع مجزوم

| Z. | شنيه | واحد | | |
|-------------|-----------|-----------|------------|-------|
| يَفْعَلُوْا | يَفْعَلاَ | يَفْعَلُ | Si | غائب |
| يَفُعَلُنَ | تَفْعَلاَ | تَفْعَلُ | مؤثث | ٠. |
| تَفُعَلُوُ | تَفْعَلاَ | تَفْعَلُ | Si | حاضر |
| تَفْعَلُنَ | تَفْعَلاَ | تَفْعَلِي | مؤنث | |
| نَفْعَلُ | نَفْعَلُ | ٱفْعَلُ | مذكرا مؤنث | متكلم |

جوازم مضارع:

مندرجہذیل الفاظ اگرمضارع سے پہلے تیں تو مضارع کوجو وم کردیتے ہیں۔

لَهُ: برَّرْ بين لَمَّا : ابحى تكريس لِ : عايد كر (لام امو)

لا: تہیں جاپئے (لائے نمی) اِن : اگر مَنْ : جو (شرطیہ)

- جواب شرط اور جواب امر بھی مجو وم ہوتے ہیں۔

جِيد : إِنْ تَتَوَلُّوا يَسْتَبُدِلُ قَوْمًا غَيْرَكُمُ ، فَاذْكُرُونِي اَذْكُرُكُمُ

- امر غائب اورامر متكلم بنانے كے لئے تعلى مضارع سے قبل لام امو لگايا جاتا ہے۔

| افعال ناقصه | | | | | |
|-------------------|-------------------------------|---|-------------|--|--|
| זפו | صَارَ | نہیں ہے | لَيْسَ | تفا، ہے، ہوگا | کَانَ |
| شام کےوقت ہوا | أمُسٰى | صبح کے وقت ہوا | أَصْبَحَ | دن میں ہوا | ظُلَّ |
| | | رات میں ہوا | بَاتَ | برابر ہوتے رہنا | مَا زَالَ |
| | نے کی کوئی وجد شدہو | عالت جريا حالب نصب مين آ | وگاجب تک که | م حالت رفع بیں استعال، درتوں بیں آتی ہے۔ دربیلے حرف جارہو۔ ماف الیہ ہو۔ | الت جو: اپرحالت جردوص اگراسم ـــ اگراسم مض اگراسم مض |
| | | | ئے گی: | : میں اسم پر حالت اِنصب آ۔ | الت نصب درده ذیل صورتو ل |
| | ۰» بر | إِنَّ اللَّهَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَلِهِ | | ، ميلي حرف مشبه بالفعل بهو. | |
| | | كَانَ اللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيْمً | | ال نا قصد کی خبر ہو۔ | أكراسم افعا |
| | | لْتَلَ دَاوُدُ جَالُوْتَ | | | أكراسم مفع |
| | | كَلَّمَ اللَّهُ مُؤْسَى تَكْلِيْمًا | VI. | ول مطلق ہو۔ | اگراسم مفع |
| ہا ہے دوستوں سے) | (شیطان ڈراتا ہے | الشَّيْطَانُ يُخَوِّفُ أَوْلِيَاءَهُ | | عول مَعَهُ كِي طور بِراستعال | |
| | | جَعَلْنَا نُوُمَكُمُ سُبَعًا | | ول لاهٔ یعنی فعل کی علت (وج | |
| ارًا | رُ اللَّهِ لَيُّلا اَوُ نَهَا | لَوُ قَ، بَعُدَ، خَلُفَ /آتَى آمُ | -012 | مياظرف حالت نصب مين، | مفعول فِيهُ |

12. شبت جمل مل ألا " كوراج متثل مون والداسم فَشَرِ بُوا مِنهُ إلَّا قَلِيلًا مِنهُمُ

11. لا عُنْى جَسْ ك بعداتم واحد، كره، خليف اور مصوب وقاع لا رَيْبَ فِيهِ لا إللهُ إلَّا اللهُ

10. مضاف جبكمات يكاراجائ (مناذى مضاف) وبنا (اعمار عرب)

اگراسم تمیز کے طور پراستعال ہوا ہو۔

اگراسم سی فاعل بامفعول کا حال ہو۔

أَنَا أَكُفُرُ مِنْكَ مَالًا

جَعَلَ لَكُمُ الْآرُضَ فِرَاشًا

يَا مَعُشَرَ الْجِنِّ وَ الْإِنْسِ (العجون اورانسانون كروبو!)

اسم الفاعل

ثلاثی مجرد میں اسم الفاعل کاوزن: فَاعِلٌ جیسے خَادِمٌ، ظَالِمٌ، شَا بِحَرٌ، شَارِبٌ، طَالِبٌ ثلاثی مزید میں اسم الفاعل بنانے کا طریقہ:

ا - فعل مضارع کے پہلے صیغہ سے علامت مضارع ہٹادیں۔اور اسکی جگہ پیش والی "م" لگادیں۔ ۲ - عین کلمہ کوزیروے دیں۔

٣ - لام كلمه ير " دو پيش" لكادير جيسے يُفَعِلُ سے اسم الفاعل مُفَعِلٌ

| مثالیں | اسم الفاعل | فعل مضارع | باب |
|--|--------------|--------------|-------------|
| مُفُلِحٌ ، مُصُلِحٌ، مُسُلِمٌ | مُفْعِلٌ | يُفْعِلُ | ِ افْعَالُ |
| مُعَلِّمٌ، مُنَزِّلٌ، مُقَرِّبٌ، مُكَلِّبٌ | مُفَعِّلٌ | يُفَعِّلُ | تَفۡعِیۡلٌ |
| مُجَاهِدٌ، مُنَافِقٌ ، مُخَاطِبٌ | مُفَاعِلٌ | يُفَاعِلُ | مُفَاعَلَةٌ |
| مُتَفَكِّرٌ ، مُتَشَكِّرٌ ، مُتَعَلِّمٌ | مُتَفَعِّلٌ | يَتَفَعَّلُ | تَفَعُّلُ |
| مُتَقَابِل، مُتَحَارِب، مُتَنَازِعٌ | مُتَفَاعِلٌ | يَتَفَاعَلُ | تَفَاعُلُ |
| مُمْتَحِنَّ ، مُجْتَهِد، مُشْتَرِكٌ | مُفْتَعِلَ | يَفْتَعِلُ | إفْتِعَالُ |
| مُنْحَرِف ، مُنْكَشِف، مُنْقَلِب | مُنْفَعِلٌ | يَتُفَعِلُ | إنْفِعَالُ |
| مُسْتَغُفِرْ ، مُسُتَكِبِرْ ، مُسْتَهُزِءٌ | مُسْتَفْعِلٌ | يَسْتَفُعِلُ | إستِفُعَالٌ |

اسم المفعول

ثلاثى مجرد مين اسم المفعول كاوزن : مَفْعُولٌ جِيتِ مَكُتُوبٌ ، مَشُرُوبٌ ، مَطُلُوبٌ ، مَنْصُورٌ ثلاثى مزيد مين اسم المفعول بنائے كاطريقة :

ا - فعل مضارع کے پہلے صیغہ سے علامت مضارع ہٹادیں۔اور اسکی جگہ پیش والی "م" لگادیں۔

٢ - عين كلم كوزبود وري-

٣ - لام كلمدر "دويش" لكادير - جي يُفْعِلُ سے اسم المفعول مُفْعَلُ

| مثالیں | اسم المفعول | فعل مضارع | باب |
|--|--------------|--------------|-------------|
| مُنْكَرٌ ، مُكْرَمٌ، مُلُزَمٌ | مُفْعَلٌ | يُفْعِلُ | ِ افْعَالُ |
| مُعَلَّمٌ، مُنَزَّلٌ، مُقَرَّبٌ | مُفَعَّل | يُفَعِّلُ | تَفْعِيُلٌ |
| مُحَافَظٌ، مُخَالَثٌ، مُخَاطَبٌ | مُفَاعَلٌ | يُفَاعِلُ | مُفَاعَلَةٌ |
| مُتَفَكَّرٌ ، مُتَشَكَّرٌ ، مُتَعَلَّمٌ | مُتَفَعَّلُ | يَتَفَعَّلُ | تَفَعُّلُ |
| مُتَقَابَلٌ، مُتَفَاخَرٌ، مُتَنَازَعٌ | مُتَفَاعَلٌ | يَتَفَاعَلُ | تَفَاعُلٌ |
| مُنْتَخَب، مُلْتَزَم، مُشْتَرك | مُفْتَعَلَ | يَفْتَعِلُ | إِفْتِعَالٌ |
| مُنهَدَمٌ ،مُنكَشَفٌ، مُنُقَلَبٌ | مُنْفَعَلٌ | يَنُفَعِلُ | اِنْفِعَالٌ |
| مُسْتَغُفَرٌ ، مُسْتَنْصَرٌ ، مُسْتَهُزَءٌ | مُسْتَفْعَلٌ | يَسْتَفْعِلْ | إستِفُعَالُ |

اسم الظر ف

1- ثلاثی مجرومیں اسم الظر ف کے اوزان : مَفْعَلْ (مَکْتَبٌ) مَفْعِلْ (مَسْجِدٌ) مَفْعَلَةٌ (مَدُرسَةٌ)
2- ثلاثی مزید میں اسم المفعول ہی اسم الظر ف ہوتا ہے۔

حروف علت

ء ، و ، ی کوروف علت کتے ہیں ۔ان حروف کوروف علت اس لئے کتے ہیں کدا ساءاورا فعال کی بناوٹ میں ان کو بیاری (عِلْمَة بیاری) لاحق ہوجاتی ہے یعنی بعض اوقات بیا ہے سیجے وزن کے مطابق استعال نہیں ہوتے ۔ مثلاً (ک و ن) کے ماؤے سے پہلا صیغہ فَسعَلَ کے وزن پر مُحوَنَ جونا جا ہے تھا کیکن اس کا استعال تکانَ ہوتا ہے۔حروف علت کے علاوہ بقیہ حروف کوحروف سیجے کہتے ہیں۔

ا فعال غير سجح

مهموز: جس ما ده مين بهمزه جواليه فعل كومهموز كتيم بين _

مثلًا: أَمَرُ (ن) حَكُم دينا مهموز الفاء

مَسْفُلُ (ف) حوال كرنا

مهموز العين مهموز اللام

قُوَءُ(ف) يُؤهنا

مثال: اگر 'و' یا 'ی' مادے کے شروع میں ہوتو ایسے فعل کومثال کہتے ہیں۔

مثلًا: وعد (ض) وعده كرنا مثال واوى

ی س د (ض) آسان جونا مثال یائی

اجوف: اگر 'و' یا 'ی' مادے کے درمیان میں ہوتو ایسے فعل کوا جوف کہتے ہیں۔

اجوفِ و او ي

مثلًا: خوف(ف) دُرنا

بىع (ض) سوداكرنا/ ييخا اجوف يائى

نا قص: اگر 'و' یا 'ی' ما دے کے آخر میں ہوتو ایسے فعل کو ناقص کہتے ہیں۔

مثلًا: ع ف و (ن) معاف كرديتا ناقص و اوى

ه د ی (ض) برایت دینا ناقص یائی

لفعیف: اگر ما دے میں دوحروف علت آجا کیں تو ایسے فعل کولفیف کہتے ہیں ۔

لفيفِ مقرون: اگرحروف عليف دونوں ساتھ ساتھ جو لاوا پسے فعل کولفیف مقرون کہتے ہیں۔

مثلًا: روی (ض) روایت کرنا

لفيفٍ مفروق: اگرحروف علّت دونوں الگ الگ ہوں (یعنی ُ فا 'کلمدا ورُلام' کلمہ کی جگہ آئیں) تو ایسے فعل کو لفيفِ مفروق کھتے ہیں۔

مثلًا: وق ی (ض) بیمنا

ضاعف: جب کسی ماد بے میں حرف صحیح دود فعہ آ جائے تو ایسے فعل کومضاعف کہتے ہیں۔

مثلًا: م د د (مَدَد) مدركنا

ث ل ث (ثلث) ایکتهائی

صحیح غیر سالم اور معتل افعال میں تغیرات کے قواعد کا خلاصہ

معموز کے لیے قدد:

ا- اگر کسی کلے میں دوہمز دا بک ساتھ ہوں۔ ایک متحرک ہوا وردوسراسا کن تو دوسرے حمو وکو پہلے کی ترکت کے مطابق ترف علم میں بدل دیں سے بینی

أَا = ا وَ ا عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ اللّ

٧- كى كلى كابتداء يى دومنو جهر ومول تودوس عرو وكواوات بدلدي كي ي : ام و ي أ أ ا يو = أوًا يو

اخ ر سے أَا الحِوْ = أَوَالِحِوْ

٣- ساكن/مفتوح هم وكوما قبل رف كالركت كيموا فق حرف علت بدل كت جي جيد ينت وتُنت = دِيَّت وَأَسَّ = وَاسْ

كُفُوًا = كُفُوا هَزًا = هَزُوا مُؤْمِنٌ = مُؤْمِنٌ = مُؤْمِنٌ = يُؤمِنُ = يُؤمِنُ

٥- جوهم ورني ي ماكن كر بعدائ أن كركت رني ي كور كان صفف كردي بي مرة ف

نوف : الاعد ونبرا اورم لازى بن بيته تين التياري بن -

مُضَاعَفُ كَ لِيُولِمِد :

١- اگر مدليا و لا ورمدل افي دونون متحرك بون تومدل افي كى تركت كرماتها دعام كرين كے بيے: مُدُدُ (ن) = مُدُ ظلِيلَ (س) = ظلَّ

٢- اگر مديل اول ماكن اور مديل افي متحرك بوتواس مورت ين جي ادعام كري مي يي : بيرو = بير

٣- اگره الله الله المتحرك بواوراً من سے ماقبل ترف ساكن بوتومد إلى الى تركت ماقبل كى طرف منتقل كرديت بين اس كے بعد قاعد و خبر اسكے مطابق اوعام كرتے بين

عے: مدد (ن): يَمُدُدُ - يَمُدُدُ - يَمُدُدُ

المره الره فل اول متحرك اوره فل الى الى الملى موتواد عام بيل كريس مجريع فعل ماضى كا چشا ميف مدد ك مدد ك (اس ميل مغل الى ماكن الملى م)

۵- اگر مشلِ اوّل متحرک اور مشلِ با تی ساکس عارضی ہو (بجز وم ہونے کی وجہ سے) تو ادعام اور فیکِ ادعام رونوں جائز ہیں:

كَمْ يَهُدُدُ اللَّمْ يَهُدُ اللَّمْ يَهُدَ المَهْ يَهُدِ (عنلِ اللَّهِ إِلَى إِضْمَ إِلَى اللَّهِ عَلَى اللَّ لَمْ يَهُدُدُ اللَّمْ يَهُدُ اللَّمْ يَهُدُ اللَّمْ يَهُدِ (عنلِ اللَّهِ عَلَى إِلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَل

3 3 (وف كادعام كالحقاه :

عَمِرٌ عَارُوف : ع، د، ذ، ز، س، ش، ص، ض، ط، ظ

ہم بخرج تروف کا ادعام تلاقی مزید کیان ابواب میں ہوگا جن کے ماضی اور مضارع میں " ہے" آتی ہے لینی باب الضعال ، تفعیل، تفاعل اور است فعال جبکہ بیروف" قا" کلے کی جگرآ تیں۔

ا- إب التعال :

i - اگرفا کلے کی جگہ داوار موں تو ت انہی حوف میں بدل جائے گی ہے :

وَكُ ا حِدَ وَدُوْكُو - إِذْكُو - إِذْكُو - يَلْكُو - يَلْدُوكُو - يَلْدُوكُو - يَلْدُوكُو - يَلْدُكُو - يَلْدُكُو

١١ - اگرفا کلے کی جگری / ش / ف / ف آجائے قت الحش بدل جاتی ہے ۔ سمب ر : اِصْنَیْرَ - اِصْطَیْرَ یَصنَبِرُ - یَصْطَبِرُ - یَصْطَبِرُ - یَصْطَبِرُ - یَصْطَرُ .
ش ر ر : اِصْنَرُرُ - اِصْطَرُ یُصْنُروُ - یَصْطُرُ .

اسپرتفعل و تفاعل :

ان ابواب میں اگر فاکلے کی جگہ ہم مخر نے تروف میں ہے کوئی بھی آجائے تو ماضی ومضارع کی ت اس ترف میں بدل جاتی ہے بیے:

باب تفعل س وَكر م تُلكَّرُ - دُدُكُرُ - إِذْكُرُ - إِذْكُرُ م يَلكُّرُ - يُلَدُّكُرُ - يُلَكُّرُ - يُلَكُّرُ

إِبِ تَفَاعِلْ مِنْ وَرَكْ _ يَلَازُكُ _ وَقَارُكُ _ إِنَّارُكُ _ يَلُورُكُ _ يَلُورُكُ _ يَلُارُكُ _ يَلَّارُكُ

۲- إبراستفعال:

اس باب بین اگرفا کلے کی جگہ ہم بخر ج تروف میں سے کوئی آجائے تو ماضی ومضارع کی سے صفرف ہوجاتی ہے جیسے:

طوع سے اِسْتَطُوعَ - اِسْتَطُوعَ - اِسْتَطَاعَ - اِسْطَاعَ

نوٹ : باب اضعال کے لئے تو اعدالازی جبکہ دیگر ابواب کے لئے تو اعدا فقیاری ہیں۔

```
عل كے ليولد:
```

ا - الله في مجروش باب فَتَنَح ، صَوَبُ اور حَسِبُ كَ مِضار عَامِ وق يَن اور باب سَبِعَ كَ أَن قَعَل كَ مِضار عَ عَر وق يَن جَن كَ ما دَب يَن وَوقِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى ال اللهُ عَلَى ال

٧- باب اطنعال يس مثال واوى كى "و"الاز ما ورمثال يائى كى" ك" القيارى طوري س يسبل جاتى ب

وح ﴿ اِوْتَحَدُ - اِتَحَدُ يَوْتَحِدُ - يَتَحِدُ اوْتِحَاكَ - اِبْحَاكَا كَانَ ﴿ إِيْفَسُرُ لِا اِتَّمَالُ الْمُ يَشِيعُوا لِا يُشْعِدُ الْمِيسَالُ الْمِ الْبُسَارُ الْمُ الْمُسَارُا ا

٣- اگر "و" ساكن يه پيلي ترف يركسره آئة "و" كو "ى" يسيدل ديت ين ايس او جال (س) ي فعل امركا پهلاميد اؤ جُلُ - اينجلُ

٣- اگر "ى" ساكن سے بہلے وف رضته آئے تو" ي كو"و" يس بدل دي كے جے كان سے إب افعال ين فعل مضارع كا يبلامين يُنفِق ، يُوفِقُ

٥- ين انعال كمضار عمعروف يس "و" كرجاتي بان كامصدرعِلَةٌ يا عَلَةٌ كوزن رجى أسكا بي عيد

وضع: وَضُعٌ – ضَعَه وسع: وَسُعٌ – سَعَةً وصل: وَصُلٌ – صِلَةً وهب: وَهُبّ – هِبَةً ورث: وَرُثٌ – رِئَةً وصف: وَصُفّ – صِفَةً

اجوف كے ليے قد :

اگر ترف علمت متحرک ہواوراس سے ماقبل ترف منوح ہوتو ترف علمت کوالف ہیں بدل دیے ہیں جیسے : فَوَلَ سے فَالَ ، خَوِف سے خَاف ،
بیکٹر سے بَاعُ

۲ - اگر ترف علم متحرک بواور ما قبل ساکن بوتو ترف علمه کی ترکت ما قبل ترف کونتقل کر کے ترف علمه کوای ترکت کے مطابق ترف علمه میں بدل دیں کے جیے : یکٹو ف - یکٹو ف - یکٹو ف - یکٹو ف

٣- اگر وف على كے بعد وف ساكن موتو رف على كوحذ ف كردي كے اور ثلاثى مجر ديس فا كلے كى حركت

(۱) اگر تاعد و نبرا کے مطابق منتقل شدہ موتو برقر الد ہے گی جیے : ق ول (ن) سے مضارع معروف کا چھٹا میند یکھُوگن - یکھُوگن - یکھُلُنَ

(ii) اگرفتر ہوتوبا بنصَراور کُرُم میں ضماور بیتیا بواب میں کسرہ ہوجائے گی جے قول (ن) سے اضی عروف کا چیٹا میند فکو کُنَ – فَکُنَ رخوف (س) سے ماضی عروف کا چیٹا میند خوفک – جفک ہے۔ تو ول (ن) سے ماضی عروف کا چیٹا میند بَیْنُونَ – بغن

٣- اسم الآلد، افسعد أن المستضف والفعلُ المنفضيل واكوان وعيوب كم تذكر كروزن أفسعَلُ والوان وعيوب كمزيد فيد كم ابواب وأسوَ فَ يَسُوَ فَ (سَاوَهُوا) وانْيَضَ يَنْيَضُ (سفيرهوا) وراساتُ تَعجب يرمندرجه إلا تواعد كااطلاق نيس ووا _

۵- علاقی مجرویس

(١) اسم الفاعل بناتے ہوئے حرف علم بمزد میں برل جاتا ہے ہے ۔ قائِل ___ قائِل ا

(ii) اجوف واوی کے اسم المفعول کاوزن مَفْعُولٌ سے مَفُولٌ بن جاتا ہے جیے: ق ول سے : مَفُولُلٌ ___ مَفُولٌ

اجوف إنى كااسم المفعول سي وزن يعنى مَفْعُولُ رجى آنا جاور خلاف قياس مَفِيلُ كورن رجى آنا ج-

٢- حرف علت الرمكسور موا وراى كم ماقبل ضمه موتو ضمه كوكسره يس بدل كرحرف علت كو " ى" ساكن يس تبديل كردية بيل جيس

ق ول سے ماضی جبول کو ل ۔ فیش ب ی سائے ماضی جبول بینے ۔ بینے 2- فیمون کے وزن پر "و "برل جاتی ہے" ی " یس جیے ۔ موت مینوٹ ۔ میت

۸- ملاقی مزیدیس

(١) إب تفعيل، تفعل، مفاعلماور تفاعل سي كوئي تبديلي يس موتى _

(ii) باب انفعال اورافتعال كمصدرين "و"بول جاتى ب" ى" يس بي

ق وو س إسهانفعال كامصدر اِنْقِوَاكَا - اِنْقِيَاكَا عَاوِز س إِسهافتعال كامصدر اِجْنِوَازًا - اِجْنِيَارُا

(iii) باب افعال كم مصدرين دسب ويل قيرات موت ين: طوع : إطلوع الطواع - إطاعة - إطاعة الماعة الماعة

(iv) بإب استفعال كمصدر على حب ولي تخير الت بوت بين عنون إسْنِعُوانًا - إسْنِعُوانًا - إسْنِعَانًا - إسْنِعَانَةُ

(V) بإب استفعال مين استيقوايًا اور استيعُوادًا من تهديلي موتى _

60

المالك كے لئے والد:

- ۱- متحرک رنب علب الف میں بدل جاتا ہے گرائی ہے قبل رف پونچر ہوجیے : دع وان) سے ماضی عروف کا پہلامیند کھؤ دعا س ع ی (ف) سے مضارع معروف کا پہلامیند پئٹنگئ - پئٹیلی نوٹ :اس قاعد دکاا طلاق ماضی عمروف کے پہلے اور مضارع معروف کے پہلے، چوتھے ساتویں ، تیرھویں اور چودھویں مینوں پر ہوتا ہے۔
- ۷- "و" مضموم نے قبل صند ہوا وریائے مضموم نے قبل کسر دہوتو بیسا کن ہوجاتے جیں جیسے دے وان) سے مضارع عروف کا پہلامیند یکٹھؤ یکٹھؤ ا رم ی (من) سے مضارع معروف کا پہلامیند یکڑھی ۔ یکڑھی نوٹ : اس قاعدے کا طلاق مضارع معروف کے پہلے ، چو بھے ساتویں ، جیرحویں اور چودھویں مینفوں پر ہوتا ہے۔
- ۳- اگر کسی مینے میں دوروف علمہ آجا کمی تو اتھی کا حرف علمہ محذوف ہوجائے گا۔اب اگر بین کلے پرضنہ یا کسر دہوتواس حرکت کو باتی رہنے والے حرف علمہ کے مطابق بدل دیں گے جیسے : دعوران) سے ماضی عمروف کا تیسرامیند : دعووا - دعوا

لَ قَى ﴿ مِن ﴾ مَا مَن عروف كاتيراميد لَهِيُوا - لَقُوا مَن عَن ﴿ فَ اللَّهِ مَا رَعْمُونَ اللَّهِ مَا مَن عروف كاتيراميد يَسْعَبُونَ - يَسْعُونَ رَمِي ﴿ مَن اللَّهِ وَكَا طَلاقَ الْحَامِ وَفَ كَتِيرِ مِن الرَّمْقُونَ لوف مَن اللَّهُ وَكَا طَلاقَ الْحَامُ وَفَ كَتِيرِ مِن الرَّمْقُونَ وَفَ مَن اللَّهُ وَكَا طَلاقَ الْحَامُ وَفَ كَتِيرِ مِن الرَّمْقُونَ وَفَ مَن اللَّهُ وَكَا طَلاقَ الْحَامُ وَفَ كَتِيرِ مِن اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّلَّةُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللَّالَةُ اللَّهُ اللَّالِ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللل

۷- رف علمت صدّف ہوجائے گااگراس کے بعدوالارف ساکن ہواورائی ہے اقبل ترف رفتہ ہو ہیںے: دع وان) سے اضی عروف کا پھوتھا میند دُعُوتُ - دُعُتُ اُوك : اس قاعد د کااطلاق باب فَنَتُ اُفَصُرُ اور صَرَبُ کے اضی عروف کے پھوتے میند پر ہوتا ہے۔ البنتہ پانچواں میند پھوتے کے مطابق ہے گا جیے: دع وان) سے اضی عروف کا پھوتھا میند دُعُتُ اور پانچواں میند دُعُتُ لُل ق ی (س) سے اضی عروف کا پھوتھا میند کھینٹ اور پانچواں میند کھیئٹا ۵- باقعی واوی میں "و" بدل جائے گی" ی " میں اگر اُس سے اقبل ترف پر کمرہ ہوجیے: دی و سے اضی مجبول کا پہلامیند فیو - دُعِیَ

، میں رسون میں و میں جو اطلاق ماضی جمہول کے علاوہ باب سیمع اور تحسیب کے ماضی عروف ریکی ہوگا۔ مندرجہ ذیل مثالوں میں بھی ای قاعد ہ کا اطلاق ہوا ہے:

ڪوب: يُؤابُّ (جَع) يُبَابُّ قَ وَم : فِؤَامٌ (مَدر) فِيَامٌ صوم : صِوَامٌ (مَدر) صِيَامٌ

۱- ناتس واوی کی "و" بدل جائے گی" کی" بیں اگر بیکی لفظ بیں چو بیٹے ٹیمریا اُس کے بعدوا تع ہو اوراس سے ماقبل ترف پرضتہ ندہو جیسے : درجو سے مضارع مجبول کا پہلامینڈ بیٹی نفو ۔ بُٹیٹی ۔ بُٹیٹی ۔ غ شو(س) سے مضارع معروف کا پہلامینڈ یَغَشُو ۔ بَغُشَی ۔ بُغُشی توٹ : اس قاعد سے کا اطلاق مضارع مجبول کے علاوہ پاپ فَشَح، ضَرَب، سُمِعَ اور حُسِبٌ کے مضارع معروف پر بھی ہوگا۔

٤- جب اكن رف على كري كي توووهذ ف وجائ كاجيد وعوت مضارع معروف كاما توال ميذ مُنْفُو - مُنْفُو - أَدُعُ (فعلِ امر)

۸- رف علمه گرجانا ہے اگراس پر تنوین ضمنہ ہواوراس سے ماقبل ترف تحرک ہو۔ اگر ماقبل ترف پر فتی ہوتوا سے تنویس فتی کروہے ہیں ورنہ تنویس کسرہ جیسے : درج و سے اسم الفاعل کا عوق – کاعری – کاع

نوٹ: اس قاعد دکااطلاق زیادہ تاتس کے اسم الفاعل پر ہوتا ہے۔ اس کے تلاوہ اس قاعد دکااطلاق تاتس کے سم المسطّر ف پر بھی ہوتا ہے جیسے دُعُسا (دُعُو) کا سم المسطّر ف مُفُعَلٌ کے وزن پر اصلاً مُسلّمَة فو بنآ ہے۔ بینجی پہلے مُسلّمَة تی ہوگا، پھراس کالام کلمہ گرے گا۔ اقبل پیونکافیخ ہے اس لئے اس پر تنوین فتر آئے گی تو یہ مُلّمَقی استعمال ہوگا۔

٩- ترف عليد سي اقبل اگرالف زائد موقو ترف عليد كوهم ويس بدل دية إلى بي در و صعدر فعاق - دُعَاة

10- التم الله الم أمنع ل خلاف قياس استهال بونا ب- اسكاوزن مَفْعِقَ بونا ب بيس الله دى، يَهْدِى عَلَمْ دِقَى رَضَى، يَوْضَى عَلَمْ وَضَى عَلَمْ فَعَلَى، يَفْضِى عَلَمْ فَعَلَى مَا مُؤْضِى عَلَمْ فَعَلَى الله عَلَمَ عَلَمْ فَعَلَى الله عَلَمَ عَلَمْ فَعَلَى الله عَلَمُ عَلَمْ عَلَمْ الله عَلَمُ الله عَلَمْ الله عَلَمُ الله عَلَمُ عَلَى الله عَلَمُ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ الله عَلَمُ الله عَلَمُ الله عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمْ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمْ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَى عَلَمُ عَلَ

النيف كے لئے قواعد :

را - لفیفِ مفروق پر مثال اور ماتس کے تواعد کا اطلاق ہوتا ہے۔ ۱- الفیفِ مقرون پر متس کے تواعد کا اطلاق نہوتا ہے (اجوف کے تواعد کا اطلاق نہیں ہوتا) ۱۳ - لفیفِ مقرون کا اسم الفاعل فیفیڈ کے وزن پر بھی آتا ہے جیسے : ق وی سے فیوی کے دی سے خی